

2024

HINDI — GENERAL**Paper : DSE-A-1 and DSE-A-2***The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.***Paper : DSE-A-1****(Loksahtya)****Full Marks : 65****(लोकसाहित्य)**

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10
- (क) परीकथा को अंग्रेजी में किस नाम से जाना जाता है? ये कथाएँ मूलतः किनके लिए लिखी जाती हैं?
- (ख) 'जात्रा' क्या है? इसका संबंध किस राज्य से है?
- (ग) संस्कारगीत संबंधी किन्हीं दो अवसरों का उल्लेख कीजिए।
- (घ) 'स्वांग' और 'रामलीला' लोकनाटकों का संबंध किन राज्यों से है?
- (ङ) लोकसंगीत के लिए प्रयुक्त किन्हीं दो वाद्य-यंत्रों के नाम लिखिए।
- (च) 'आए थे हरि भजन को, औटन लगे कपास।' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।
- (छ) 'भरतनाट्यम' और 'कथकली' भारत के किन राज्यों के लोकनृत्य हैं?
- (ज) 'सोहर' क्या है? यह किस अवसर पर गाया जाता है?
- (झ) विदेसिया क्या है? इसका संबंध किस राज्य से है?
- (ञ) हबीब तनवीर की किन्हीं दो प्रसिद्ध नाट्य प्रस्तुतियों के नाम लिखिए।
2. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : 5×3
- (क) लोकनृत्य
- (ख) परीकथा
- (ग) ऋतुगीत
- (घ) व्रतकथा
- (ङ) लोकोक्तियाँ।

3. किन्हीं तीन आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

- (क) लोकसाहित्य को परिभाषित करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।
- (ख) लोकसाहित्य के अध्ययन एवं संकलन की समस्याओं पर विचार कीजिए।
- (ग) लोकगीतों की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
- (घ) लोकनृत्य क्या है? इसके विविध प्रकारों का उल्लेख कीजिए।
- (ङ) हिन्दी साहित्य के विकास में लोकसाहित्य के योगदान पर विचार कीजिए।

Paper : HSE-A-1

(Lok-Saahitya)

Full Marks : 03

(कविताकार)

01×10

प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आवश्यक है कि प्रश्नों के उत्तर लिखने पर ध्यान देना है।

1. लोकसाहित्य की परिभाषा दीजिए। इसके महत्व पर प्रकाश डालिए। (क)

2. लोकसाहित्य के अध्ययन एवं संकलन की समस्याओं पर विचार कीजिए। (ख)

3. लोकगीतों की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (ग)

4. लोकनृत्य क्या है? इसके विविध प्रकारों का उल्लेख कीजिए। (घ)

5. हिन्दी साहित्य के विकास में लोकसाहित्य के योगदान पर विचार कीजिए। (ङ)

6. लोकसाहित्य के अध्ययन एवं संकलन की समस्याओं पर विचार कीजिए। (क)

7. लोकगीतों की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (ख)

8. लोकनृत्य क्या है? इसके विविध प्रकारों का उल्लेख कीजिए। (ग)

9. हिन्दी साहित्य के विकास में लोकसाहित्य के योगदान पर विचार कीजिए। (घ)

10. लोकसाहित्य के अध्ययन एवं संकलन की समस्याओं पर विचार कीजिए। (ङ)

01×10

प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आवश्यक है कि प्रश्नों के उत्तर लिखने पर ध्यान देना है।

1. लोकसाहित्य की परिभाषा दीजिए। इसके महत्व पर प्रकाश डालिए। (क)

2. लोकसाहित्य के अध्ययन एवं संकलन की समस्याओं पर विचार कीजिए। (ख)

3. लोकगीतों की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (ग)

4. लोकनृत्य क्या है? इसके विविध प्रकारों का उल्लेख कीजिए। (घ)

5. हिन्दी साहित्य के विकास में लोकसाहित्य के योगदान पर विचार कीजिए। (ङ)

Paper : DSE-A-2

(Chhayavad)

Full Marks : 65

(छायावाद)

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2×10

- (क) 'यामा' काव्य संग्रह के रचनाकार कौन हैं? इस कृति पर कौन-सा पुरस्कार प्राप्त हुआ है?
- (ख) कवि 'निराला' का पूरा नाम क्या है? उनके किसी एक काव्य-संग्रह का नाम लिखिए।
- (ग) 'चिदम्बरा' किसकी कृति है और इस कृति पर कौन-सा पुरस्कार प्राप्त हुआ है?
- (घ) किस रचनाकार को 'हिन्दी के विशाल मन्दिर की वीणापाणि' कहा जाता है? उनके किसी एक काव्य-संग्रह का नाम लिखिए।
- (ङ) "विजय केवल लोहे की नहीं धर्म की रही धरा पर धूम"— किस कवि की किस कविता की पंक्ति है?
- (च) 'अहे निष्ठुर परिवर्तन'— इस पंक्ति के रचनाकार कौन हैं? 'निष्ठुर' शब्द का अर्थ लिखिए।
- (छ) 'बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ।'— पंक्ति के रचनाकार का नाम बताइए। यह गीत किस काव्य-संग्रह में संकलित है?
- (ज) 'बैठ लें कुछ देर, आओ, एक पथ के पथिक-से'— कविता एवं कवि का नाम बताइए।
- (झ) जयशंकर प्रसाद के किन्हीं दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।
- (ञ) 'प्रकृति का सुकुमार कवि' किसे कहा गया है? उनके किसी एक काव्य संकलन का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

5×3

- (क) मधुर है स्रोत मधुर है लहरी।
न है उत्पात, छटा है छहरी॥
मनोहर झरना,
कठिन गिरि कहाँ विदारित करना,
बात कुछ छिपी हुई है गहरी।
मधुर है स्रोत मधुर है लहरी॥
- (ख) उषा-सस्मित किसलय-दल,
सुधा रश्मि से उतरा जल,
ना, अधरामृत ही मद में कैसे बहला दूँ जीवन?
भूल अभी से इस जग को?

(ग) वे मधुदिन जिनकी स्मृतियों की धुँधली रेखाएं खोई,
चमक उठेंगे इन्द्रधनुष से मेरे विस्मृति के घन में।
झंझा की पहली नीरवता सी नीरव मेरी साधें,
भर देंगी उन्माद प्रलय का मानस की लघु कम्पन में।

(घ) उसके मधु-सुहाग का दर्पण
जिसमें देखा था उसने
बस एक बार बिम्बित अपना जीवन-धन,
अबल हाथों का एक सहारा—
लक्ष्य जीवन का प्यारा वह ध्रुवतारा
दूर हुआ वह बह रहा है
उस अनंत पथ से करुणा की धारा।

(ङ) वही है रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान
वही है शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य-संतान
जिये तो सदा इसी के लिए, यही अभिमान रहे यह हर्ष
निछावर कर दें हम सर्वस्व, हमारा प्यारा भारतवर्ष।

3. निम्नलिखित किन्हीं **तीन** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

10×3

(क) क्या जयशंकर प्रसाद प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं? अपने शब्दों में उत्तर दीजिए।

(ख) निराला सामाजिक चेतना के जागरूक कवि हैं।— कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

(ग) 'परिवर्तन' कविता की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'आशा' कविता की मूल संवेदनाओं पर विचार कीजिए।

(ङ) 'बादलराग'— कविता के भाव-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।